नई विद्युत परियोजनाओं की स्थापना

914. **श्री दिग्विजय सिंह:**
श्री अनंतराम जायसवाल:

क्या विद्युत मंत्री दिनांक 23.5.95 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न संख्या 7007 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) स्वीकृति प्राप्त विद्युत परियोजनाएं किन-किन राज्यों में स्थापित की जाएंगी तथा कौन-कौन सी कम्पनियां इन परियोजनाओं में सहभागिता कर रही हैं;

(ख) उपर्युक्त में से कितनी परियोजनाओं में काम शुरू हो गया है तथा इन परियोजनाओं के कब तक पूरे होने की सम्भावना है; और

(ग) भारत में स्थापित होने वाली विद्युत परियोजनाओ में जिनमें निजी क्षेत्र की विदेशी एवं स्वदेशी कम्पनियां शामिल हैं। सरकार की भूमिका/स्थिति क्या होगी तथा इससे देश को विद्युत के क्षेत्र में क्या-क्या लाभ मिलेगा और कब तक मिलेगा?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती उर्मिला बेन पटेल): (क) और (ख) राज्य सभा में 23.5.95 को अतारांकित प्रश्न संख्या 7007 के दिए गए उत्तर में जिन 11 परियोजनाओं का उल्लेख किया गया है और जिनको केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण सी०ई०ए० द्वारा तकनीकी-आर्थिक दृष्टि से स्वीकृति प्रदान कर दी गई है, निजी षेत्र की छः (6) विद्युत परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नवत है:—

क्र० सं०	परियोजना का नाम/क्षमता (मेगावाट)	स्वरूप	राज्य	कंपनी का नाम
1.	बास्पा चरण-2 (3×100)	जल विद्युत	हि०प्र०	जयप्रकाश इण्डस्ट्रीज लि०
2.	वल्लभगढ़ ता०वि० केन्द्र (2×250)	ता०वि०	प० बं०	बल्लभगढ़ पावर कंपनी लि०
3.	दभोल सी सी जी टी ता०वि० केन्द्र चरण-1 (695)	ता० वि०	महाराष्ट्र	एनरॉन डेवलपमेंट कारप०
4.	भद्रावती ता०वि० केन्द्र (2×536)	ताप विद्युत	महाराष्ट्र	इस्पात एलॉयज लि०
5.	नैवेली ता०वि० केन्द्र (1×250)	ताप विद्युत	तमिलनाडु	एसटी पावर सिस्टम्स इन्क० यू०एस०ए०
6.	इब घाटी ता०वि० केन्द्र (2×210)	ताप विद्युत	उड़ीसा	ए०ई०एस० कारपोरेशन, यू०एस०ए०

केन्द्रीय क्षेत्र के 1995 दभोलवाली सी०सी०जी०टी० संयंत्र विद्युत स्थिति प्राप्त की है और निर्माण कार्य आरम्भ हो गया है। तथापि, हाल ही में महाराष्ट्र सरकार ने इस परियोजना के कार्य को रोकने का निर्णय लिया है

(ग) भारत सरकार ने देश में ऊर्जा की बढ़ती हुई आवश्यकताओं की पूर्ति किए जाने के लिए संसाधन जुटाए जाने और सार्वजनिक क्षेत्र के प्रयासों को मद्देनजर रखते हुए भारत में विद्युत क्षेत्र में स्वदेशी एवं विदेशी, दोनों प्रकार की निजी क्षेत्र की भागीदारी के लिए अनुमति प्रदान कर दी है।

Navigational facilities at airports

915. SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether Government had received a communication from the Indian Commercial Pilot Association in May this year alleging lack of proper navigational and communication equipments etc. at airports;

(b) the details thereof; and

(c) how many co-pilots are presently available with the airlines who are qualified to be trained as Pilots for Command, and the reasons for not selecting them for Command Training so far, though command pilots are much less than the required number?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD): (a) and (b) Yes, Sir. The letter referred to the increase in the number of airlines operating in the country and indicated that existing navigational and